



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 463]
No. 463]

नई दिल्ली, मंगलवार अगस्त 30, 1988/भाद्र 8, 1910
NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 30, 1988/BHADRA 8, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल-मूल्य परिवहन मंत्रालय

(पतन पत्र)

नई दिल्ली, 30 अगस्त 1988

अधिसूचना

सा.का.वि. 887 (घ)-1 केन्द्रीय सरकार, महापत्तन न्यास अधिनियम 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम की धारा 123 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए म्यू संसूर पोर्ट के न्यासी मंडल द्वारा बनाए गए म्यू संसूर पोर्ट ट्रस्ट (स्टेबिलिटी) को लाइसेंस देना) संशोधन विनियम, 1988 जिसका कर्नाटक के राजपत्र में दिनांक 30 जून 1988 और 7 जुलाई 1988 को हुआ था और जो उक्त अधिसूचना के साथ की अनुसूची में वर्णित है, को संशोधनों के साथ अनुमोदित करती है।

[फाइल सं. पी आर-201/1/88-पीपी]

योगेश्वर नारायण, संयुक्त सचिव

अनुसूची

म्यू संसूर पोर्ट ट्रस्ट का न्यासी मंडल, महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 की धारा 132 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए म्यू संसूर पोर्ट ट्रस्ट (स्टेबिलिटी) को लाइसेंस देना) विनियम 1985 में निम्नलिखित संशोधन करती है और इसे उक्त अधिनियम की धारा 124 की उपधारा 2 के तहत यथा संशोधित उन सभी व्यक्तियों के पुनर्नियम प्रकाशित किया जाता है, जिनके इससे प्रभावित होने की संभावना है और एतद्वारा यह नोटिस दिया जाता है कि उक्त अधिनियम के कर्नाटक के राजपत्र में दो लगातार सप्ताह में प्रकाशन की तारीख से 14 दिनों की अवधि की समाप्ति पर या उसके बाद उक्त विनियम पर केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदन प्रदान करने के लिए अर्पण किया जाएगा।

विनियम

1. ये विनियम म्यू संसूर पोर्ट ट्रस्ट (स्टेबिलिटी) को लाइसेंस देना) संशोधन विनियम, 1988 हैं।

2. ये सरकारी राजपत्र में केन्द्रीय सरकार के अनुमोदन के प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

3. न्यू मंगलूर पोर्ट ट्रस्ट (स्टेबिलिटी को साइसेंस देना) विनियम, 1985 (इसके बाध उक्त विनियम कहा जाएगा) के विनियम 3 के स्थान पर निम्नलिखित रखे जायेंगे, अर्थात्—

“3. स्टेबिलिटी साइसेंस जारी करना

1. अध्यक्ष, किसी व्यक्ति को पत्तन पर पत्तन और पत्तन के स्था-
नित्व या कच्चे जाले हुए बाफ, पावर, को या मोड़ियों में माल के उतारने
और नीचान तथा पत्तन के भीतर जहाज के स्टेबिलिटी वाले किसी
अन्य कार्य के लिए स्टेबिलिटी के समर्थन कार्य करने करने के लिए
आवेदन करने पर स्टेबिलिटी साइसेंस जारी करेगा।

2. किसी स्टेबिलिटी को न्यू मंगलूर पोर्ट ट्रस्ट (स्टेबि-
लिट को साइसेंस देना) संशोधन विनियम, 1988 पर केन्द्रीय सरकार
के प्रमुख के प्रकाशन की तारीख से छह महीने की समाप्ति के
बाद इन विनियमों के तहत अध्यक्ष द्वारा जारी साइसेंस को
छोड़कर पत्तन में किसी जहाज पर काम करने की अनुमति नहीं दी
जाएगी।

4. उक्त विनियम के मौजूदा विनियम 4 के स्थान पर निम्नलिखित
रखे जायेंगे—

“4. किए गए स्टेबिलिटी कार्य का साक्ष्य प्रस्तुत करना

(1) जब तक आवश्यक इसके लिए साक्ष्य प्रस्तुत नहीं करता, तब
तक स्टेबिलिटी के लिए कोई साइसेंस नहीं दिया जाएगा—

(i) कि उसने समय समय पर बोर्ड द्वारा निर्दिष्ट विभिन्न
सामग्रियों के हैबिलिटी का इनपुट-आउटपुट मानक रखा है
रखेगा।

(ii) कि उसको कामगार मुआवजा अधिनियम 1933 बेतन भुगतान
अधिनियम 1936 औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 या
उस समय लागू किसी अन्य कानून के तहत नियुक्त
अधिकारियों और कर्मचारियों के बेतन और मुआवजे का भुगतान
करने की वित्तीय स्थिति है और मकसद एक लाख रुपये या
कोई अन्य स्वीकार्य विकल्पों में से किसी एक को साइसेंस
रख/समाप्त होने पर लौटा दिया जाएगा।

(iii) कि वह यह मायका करता है कि वह स्टेबिलिटी कार्य
कुशलता पूर्वक करने के लिए अध्यक्ष द्वारा निर्दिष्ट न्यूनतम
कर्मचारी और न्यूनतम उपकरण रखेगा और

(iv) कि वह किसी आकस्मिकी की प्रति के लिए एक लाख रुपये
की बैंक गारंटी भी प्रस्तुत करेगा।

टिप्पणी:—जहाजनामिक जहाज प्रचालक, स्टीमर एजेंट और आयातक
तथा निर्यातक भी साइसेंस प्राप्त करने के पात्र होंगे।

5. (1) उक्त विनियम के विनियम 6 में उप-विनियम (2) के
स्थान पर निम्नलिखित रखे जायेंगे अर्थात्—

“(2) आवेदन साइसेंस जारी होने या नवीकृत होने से पहले
4500 रुपये का साइसेंस शुल्क भ्रष्टा करेगा। प्रत्येक
साइसेंसधारी स्टेबिलिटी साइसेंस के तहत अनुसंधान कार्य
के उचित निष्पादन के लिए 5000 रुपये की धरोहर
राशि भ्रष्टा कराएगा धरोहर राशि पर व्याज देय नहीं
होगा और यह बोर्ड के क्लर्कों यदि कोई है के समायोजन
के बाध तक लौटा दी जाएगी जब साइसेंस समाप्त हो जाएगा।

(2) उक्त विनियम के विनियम 6 के उप-विनियम (4) में
दूसरी धरित के अंत में उपबंध से पहले “बोर्ड” शब्द के स्थान पर
“अध्यक्ष” शब्द रखे जायेंगे।

6. उक्त विनियम में मौजूदा विनियम 8 के स्थान पर निम्नलिखित
रखे जायेंगे अर्थात्—

“8. आज स्थिति रहने तक साइसेंस निरस्त करने की अध्यक्ष
की शक्ति :—ट्रस्टिक मनेजर स्टेबिलिटी द्वारा स्टेबिलिटी साइसेंस
की किसी शर्त के उल्लंघन की रिपोर्ट अध्यक्ष को करेगा और अध्यक्ष
आज स्थिति रहने तक स्टेबिलिटी को जारी किया गया साइसेंस तीन
महीने के लिए निरस्त कर सकता है यदि वह पाता है कि
ऐसा करना पत्तन के हित में शोचनीय और आवश्यक है।”

7. उक्त विनियम के मौजूदा विनियम 9 के स्थान पर निम्न-
लिखित रखे जायेंगे अर्थात्—

“9. साइसेंस का निरस्तन :—

(1) अध्यक्ष किसी भी समय साइसेंस की किसी भी शर्त के उल्लंघन
रा नीचे के किसी कारण से किसी स्टेबिलिटी को जारी किया गया
साइसेंस ऐसी अवधि के लिए निरस्त कर सकता है जैसा कि वह
उचित समझे—

(1) सुरक्षा एवम्पत्तियों का उल्लंघन

(2) कम उत्पादकता

(3) स्टेबिलिटी अधिकारों पर पर्यवेक्षण का अभाव

(4) बैंकों की अनुचित और असुरक्षित हैबिलिटी

(5) वस्तुस्थिति को गलत ढंग से बताना या गलत बयानी

(6) स्टेबिलिटी के विनियमों का उल्लंघन करने या विनियमों
होने पर

(7) पत्तन में किए गए कार्य में रुकावट डालना

(8) किसी व्यक्ति या पार्टियों को कार्य पर रोक लगाए पर दे देना

(9) कोई कलहारा जो बोर्ड को राय में रद्द या निलंबन के लिए
जबरी हो।

(2) किसी स्टेबिलिटी साइसेंस को तब तक रद्द या निरस्त
नहीं किया जाएगा जब तक स्टेबिलिटी को यह कारण बताने का
पर्याप्त प्रमाण न दिया गया हो कि क्यों न उक्त साइसेंस रद्द या
निलंबित कर दिया जाए इस प्रकार रद्द या निरस्त के कारणों को
अभिलेखित करने के बाद।

8. उक्त विनियम के मौजूदा विनियम 10 के स्थान पर निम्न
लिखित रखे जायेंगे :

“10. अपील

(1) इन विनियमों के तहत अध्यक्ष द्वारा कोई साइसेंस देने या
साइसेंस देने से मना करने या किसी साइसेंस को नवीकृत
करने से और किसी साइसेंस को निरस्त
करने के आदेश से कबित कोई व्यक्ति आवेदन
प्राप्त होने के तीस दिन के भीतर लिखित
रूप में केन्द्रीय सरकार को अपील कर सकता है।

(2) केन्द्रीय सरकार अपीलकर्ता को सुनवाई का अवसर देने के
बाद अपील पर ऐसा आदेश जारी करेगी जैसा कि वह
सचित समझे।

(3) विनियम में अन्य बातों के होते हुए भी किसी अपील को
तीस दिन की अवधि के बाद स्वीकार किया जा सकता है
यदि अपीलकर्ता इस बात से केन्द्रीय सरकार को संतुष्ट
कर देता है कि उसके पास ऐसी अवधि के भीतर आवेदन
करने के पर्याप्त कारण थे।

9. उक्त विनियम के विनियम 6 के उप विनियम (1) के तहत निर्धारित "फार्म क" में कालन 11 के सामने की सीजुर एंटी के स्थान पर निम्नलिखित एंटी रखी जाएगी अर्थात्:--

"11. क्या प्रावेषक ने निम्नलिखित डिपोजिट किए हैं:--

(क) 4500 का लाइसेंस शुल्क

(ख) 5000 रुपये की धरोहर राशि का डिपोजिट

(ग) काङ्गार मूवाजा अधिनियम 1933, वेतन सुगठान अधिनियम, 1936 औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 प्रावि के तहत वेतताओं के लिए एक लाख रुप का डिपोजिट

(घ) भाकस्मिकी पूर्ति के लिए इस फार्म के कालन 4 के तहत लाइसेंस की अवधि के लिए बैंड एक लाख रुपये की बैंक गारंटी।

(च) ही तो मूल संग्रह करें)

विषय:--विभाग 18 दिसम्बर, 1985 को भारत के राजपत्र के भा. प्र. नि. 807 (प्र) के माध्यम से न्यू मंगलूर पोर्ट ट्रस्ट (स्टेविडोर के लिए लाइसेंस जारी करना) विनियम 1985 का प्रकाशन हुआ था।

बी. महापात्र, अध्यक्ष
न्यू मंगलूर पोर्ट ट्रस्ट

पताम्बूर-575010

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th August, 1988

G.S.R. 887 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 124 read with sub-section (1) of section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approve with modification the New Mangalore Port Trust (Licensing of Stevedores) Amendment Regulations, 1988, made by the Board of Trustees of New Mangalore Port in exercise of the powers conferred on them by section 123 of the said Act and published in the Karnataka Gazette dated 30th June, 1988 and 7th July, 1988 as detailed in the schedule annexed to this Notification.

(F. No. PR-21011/1/88-PG)
YOGENDRA NARAIN, Jt. Secy.

SCHEDULE

NEW MANGALORE PORT TRUST

NOTIFICATION

In exercise of the powers conferred by Section 123 of the Major Port Trusts Act, 1963, the Board of Trustees of the New Mangalore Port Trust hereby makes the following amendments to the New Mangalore Port Trust (Licensing of Stevedores) Regulations, 1985, and the same are hereby published, as required under sub section 2 of Section

124 of the said Act for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that approval of the Central Government to the said Regulations will be applied for on or after the expiry of a period of 14 days from the date on which the said Regulations are published in the Karnataka Gazette successively for two weeks.

REGULATIONS

1. These Regulations may be called the New Mangalore Port Trust (Licensing of Stevedores) Amendment Regulations, 1988.

2. They shall come into force with effect from the date of publication of the approval of the Central Government in the Official Gazette.

3. For Regulation 3 of the New Mangalore Port Trust (Licensing of Stevedores) Regulations, 1985 (hereinafter referred to as the said Regulations), the following shall be substituted, namely:—

"3. Issue of Stevedoring Licence.

(1) The Chairman may issue stevedoring Licence for a period of two years, on application, to persons to act as stevedores at the Port to perform the work of Landing and Shipping of Goods between vessels in the Port and the Wharves, piers, quays or docks belonging to or in possession of the Board and any other work involved in the Stevedoring of the Vessels within the Port.

(2) No stevedore shall be allowed to work on Board any vessel in the Port except under a licence issued by the Chairman under these Regulations after expiry of six months of the date of publication of approval of the Central Government to the New Mangalore Port Trust (Licensing of Stevedores) Amendment Regulations, 1988."

4. Existing Regulation 4 of the said Regulations shall be substituted by the following, namely:—

"4. Production of evidence of stevedoring work done.

(1) No licence for stevedoring shall be granted unless the applicant produces evidence for,

(i) that he has maintained/would maintain the input/output norms of handling different commodities as may be laid down by the Board from time to time.

(ii) that his financial standing to meet the obligations to the workers and staff employed on account of wage and compensation under the Workmen's compensation Act, 1923, Payment of Wages Act, 1936, Industrial Disputes Act, 1947, or any other law for the time being in force and makes a deposit of Rs. 1 lakh in cash or any other acceptable security which will be refunded/discharged after the termination/expiry of the licence;

- (iii) that he undertakes to have in his employment such minimum staff and have in his possession such minimum gear as may be prescribed by the Board for undertaking stevedoring efficiently; and
- (iv) that he shall also produce a Bank Guarantee for Rs. 1 lakh so as to meet any contingency;

NOTE : Vessel Owners, Vessel operators, Steamer agents and importers and exporters would also be eligible for grant of a licence.

5. (1) In Regulation 6 of the said Regulations, for sub Regulation (2), the following shall be substituted, namely :—

“(2) The applicant shall pay a licence fee of Rs. 4,500/- before the licence is issued or renewed. Every licensed stevedore shall deposit a sum of Rs. 5,000/- as earnest money for the proper performance of the work permitted under the licence. The earnest money will not carry any interest and will be refunded when the licence ceases to operate after adjusting the claims, if any, of the Board.

(2) In Sub Regulation (4) of Regulation 6 of the said Regulations, the word ‘Board’ appearing at the end of the second sentence before the proviso shall be substituted by the word ‘Chairman’.

6. In the said Regulations, for the existing Regulation 8, for the following shall be substituted, namely :—

“8. Power of Chairman to suspend a licence pending enquiry :—

The Traffic Manager shall report any violation of the terms and conditions of the stevedoring licence by the Stevedore, to the Chairman and the Chairman may, pending enquiry, suspend for a period of not exceeding three months the licence issued to a Stevedore, if he finds expedient and necessary to do so in the interest of the Port”.

7. Existing Regulation 9 of the said Regulations shall be substituted by the following, namely :—

“9. Suspension of Licences.

(1) The Chairman may at any time suspend for such period as he may deem fit, or cancel the licence issued to a Stevedore for violation of any of the terms of the licence or for any of the reason listed below :

- (i) Violation of safety precautions;
- (ii) low productivity;
- (iii) lack of supervision over stevedoring workers;
- (iv) improper and unsafe handling of packages;
- (v) mis-representation or mis-statement of material facts;
- (vi) the stevedore being adjudged insolvent or going into liquidation;
- (vii) causing obstructions to any work in the Port;

(viii) sub-letting of work to any other individual or parties;

(ix) any mis-conduct which, in the opinion of the Board, warrants such cancellation of suspension.

(2) No stevedoring licence shall be cancelled or suspended as the case may be until the stevedore has been given a reasonable opportunity for showing cause why his licence should not be cancelled or suspended as the case may be and after recording reasons for such cancellation or suspension”.

8. Existing Regulation 10 of the said Regulations shall be substituted by the following, namely :—

“10. Appeal :

(1) Any person aggrieved by orders of the Chairman granting or refusing to grant a licence or renewing or refusing to renew a licence or suspending a licence under these regulations may prefer an appeal in writing to the Central Government within thirty days of the communication of the order appealed against.

(2) The Central Government shall pass such order on the appeal as it deems fit after giving an opportunity of being heard to the appellant.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (1), an appeal may be admitted after the period of thirty days if the appellant satisfies the Central Government that he had sufficient cause for not making an application within such period”.

9. In ‘Form A’ prescribed under sub-Regulation (1) of Regulation 6 of the said Regulations, for the existing entries against column 11, the following entries shall be substituted, namely :—

“11. Whether the applicant has made the following deposits :—

- (a) Licence fee of Rs. 4,500/-
- (b) Earnest Money Deposit of Rs. 5,000/-
- (c) Deposit of Rs. 1.00 lakh towards liabilities under the Workman's Compensation Act, 1923, Payment of Wages Act, 1936, Industrial Disputes Act, 1947 etc.,
- (d) Bank Guarantee of Rs. 1.00 lakh to meet contingency valid for the period for which the licence is required under column 4 of this Form (If so, original to be attached).

NOTE :

The New Mangalore Port Trust (Licensing of Stevedores) Regulations, 1985 were published vide GSR No. 907 (E) of the Gazette of India, dated the 18th December, 1985.

Panambur-575010.

B. MAHAPATRA, Chairman,
New Mangalore Port Trust